रेल दुर्घटनायें

709. **श्री शरद यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश भर में 1984 से अब तक वर्ष-वार कितनी रेल दुर्घटनायें हुई, एवं इन दुर्घटनाओं में हुई जान-माल की हानि का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इन दुर्घटनाओं के लिए कितने कर्मचारी दोषी पाये गये ; और

(ग) इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री महावीर प्रसाद) : (क) और (ग) एक विवरण संलग्न है । (नीचे देखिये)

(ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

विवरण

(क) 1984-85 से 1987–88 के दौरान परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या, मृत व्यक्तियों की संख्या और रेल सम्पत्ति को हुई क्षति की लागत का वर्षवार ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या	मृत व्यक्तियों की संख्या	रेल सम्पत्ति को हुई क्षति (करोड रुपयों में)
1984–85	812	356	11.98
1985-86	717	214	11.45
1986-87	644	267	16.40
1987–88	604	216	11.09 (लगभग

(ग) दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए निम्नलिखित निवारक उपाय किये जा रहे हैं :—

(i) सवारी डिब्बों सहित चल स्टाक के पुनःस्थापन पर अधिक जोर देना ।

(ii) रेलपथ नवीकरण की गति बढ़ाना ।

(iii) मानवीय सतर्कता की कमी को पूरा करने के लिए परिष्कृत प्रौद्योगिकी अर्थात् सहायक चेतावनी प्रणाली, धुरा काउंटरों आदि का अधिष्ठापन ।

(iv) धुरों और पटरियों की पराश्रव्य जांच ।

(v) मरम्मत और अनुरक्षण की गुणवत्ता में सुधार हेतु कारखानों का आधुनिकीकरण ।

(vi) संरक्षा कोटियों के कर्मचारियों अर्थात् ड्राइवरों, स्टेशन मास्टरों/सहायक मास्टरों, गार्डों, स्विचमैनों और केबिनमैनों आदि के प्रशिक्षण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदि पर विशेष जोर देना । ड्राइवरों के प्रशिक्षण में सुधार के लिए लोको सिमलेटरों की खरीद की जा रही है ।

(vii) स्लाइट प्रोजेक्टरों, व्यावहारिक प्रदर्शनों आदि जैसे आधुनिक शिक्षण उपकरणों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रणालियों, विधियों और प्रक्रियाओं आदि का पुनर्नवीकरण ।

Deterioration of in-flight services in the IA and AI

710. SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH:
SHRI DHULESHWAR MEENA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in-flight services in the Indian Airlines and Air-India have deteriorated in the recent past and there have been numerous complaints from the passengers on this account;

(b) if so, what are the reasons therefor; and